बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -30-07-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज हिन्दी व्याकरण के अन्तर्गत वर्तमान काल के बारे में अध्ययन करेंगे एवं लिखकर याद करें

वर्तमान काल के भेद

वर्तमान काल के पाँच भेद होते है-
(i)सामान्य वर्तमानकाल
(ii)अपूर्ण वर्तमानकाल
(iii)पूर्ण वर्तमानकाल
(iv)संदिग्ध वर्तमानकाल
(v)तत्कालिक वर्तमानकाल
(vi)संभाव्य वर्तमानकाल

(i)सामान्य वर्तमानकाल - क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया का वर्तमानकाल में होना पाया जाय, 'सामान्य वर्तमानकाल' कहलाता है।
दूसरे शब्दों में- जो क्रिया वर्तमान में सामान्य रूप से होती है, वह सामान्य वर्तमान काल की क्रिया कहलाती है।

क्रिया के जिस रूप से सामान्यतः यह प्रकट हो कि कार्य का समय वर्तमान में है, न कार्य के अपूर्ण होने का संकेत मिले न संदेह का, वहाँ सामान्य वर्तमान होता है।
जैसे- 'बच्चा खिलौनों से खेलता है'।
वाक्य में 'खेलना' प्रस्तुत समय में है, किन्तु न तो वह अपूर्ण है और न ही अनिश्चित, अतः यहाँ सामान्य वर्तमान काल है।

कुछ अन्य उदाहरण देखिए-
वह पुस्तक पढ़ता है।
माली पौधों को पानी देता है।

(ii)अपूर्ण वर्तमानकाल क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि वर्तमान काल में कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ, वह चल रहा है, उसे अपूर्ण वर्तमान कहते हैं।

उदाहरण के लिए- 'मोहन विद्यालय जा रहा है'
वाक्य में जाने का कार्य अभी हो रहा है, मोहन विद्यालय पहुँचा नहीं है। अतः यहाँ अपूर्ण वर्तमान है।

कुछ अन्य उदाहरण देखिए-
वर्षा हो रही है। अनुराग लिख रहा है।

(iii)पूर्ण वर्तमानकाल- इससे वर्तमानकाल में कार्य की पूर्ण सिद्धि का बोध होता है।
जैसे- वह आया है। सीता ने पुस्तक पढ़ी है।

(iv)संदिग्ध वर्तमानकाल():- जिससे क्रिया के होने में सन्देह प्रकट हो, पर उसकी वर्तमानकाल में सन्देह न हो। उसे संदिग्ध वर्तमानकाल कहते हैं।